कोजागरी व्रत विधि

https://pdffile.co.in/

॥ कोजागरी व्रत विधि ॥

* नारद पुराण के अनुसार आश्विन मास की पूर्णिमा के दिन पीतल, चांदी, तांबे या सोने से बनी देवी लक्ष्मी की प्रतिमा को कपड़े से ढंककर पूजा किया जाता है।

* सुबह देवी की पूजा समान्य तरीके से करने के बाद रात में चंद्रोदय के बाद फिर से की जाती है।

* इस दिन रात 9 बजे के बाद चांदी के बर्तन में खीर बना कर चांद के निकलते ही आसमान के नीचे रख देनी चाहिए।

* इसके पश्चात रात्रि में देवी के समक्ष घी के 100 दीपक जला दें।

* इसके बाद देवी के मंत्र, आरती और विधिवत पूजन करना चाहिए।

https://pdffile.co.in/

* कुछ समय बाद चांद की रोशनी में रखी हुई खीर का देवी लक्ष्मी को भोग लगाकर उसमें से ही ब्राह्मणों को प्रसाद स्वरूप दान देना चाहिए।

* अगले दिन माता लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए और व्रत का पारण करना चाहिए।

॥ कोजागरी व्रत मंत्र ॥

ओम लक्ष्मी नम:।

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं श्री सिद्ध लक्ष्म्यै नम:।

पद्मानने पद्म पद्माक्ष्मी पद्म संभवे तन्मे भजसि पद्माक्षि येन सौख्यं लभाम्यहम्।

ॐ ह्रीं ह्रीं श्री लक्ष्मी वासुदेवाय नम:!

https://pdffile.co.in/

PDF Created by -
https://pdffile.co.in/

https://pdffile.co.in/